हाग्गै

1 दारा राजा के शासनकाल के दूसरे साल
के छटवें महीने के पहले दिन यहूदा
के गवर्नर शालतीएल के बेटे जरुब्बाबेल
और यहोसादाक के बेटे यहोशू पुरोहित के
पास, हाग्गै नबी के द्वारा प्रभु का संदेश दिया
गया। 2 सेनाओं के याहवे कहते हैं, यह प्रजा
कहती है कि वह समय अर्थात प्रभु का
घर फिर से बनाने का समय अभी तक नहीं
आया है। 3 फिर हाग्गै नबी के जरिये से यह
संदेश मिला, 4 क्या यह तुम्हारे लिए पक्के घर
में रहने का समय है, जबकि प्रभु का घर
टूटा-फूटा पड़ा है? 5 इसलिये अब सेनाओं
के याहवे कहते हैं, "अपने चाल-चलन को
देखो। 6 तुमने बहुत बोया, लेकिन थोड़ा ही
काटा। तुम खाते हो, लेकिन मन नहीं भरता।
तुम पीते तो हो, लेकिन प्यास नहीं बुझती।
तुम कपड़े पहनते तो हो, लेकिन गरम नहीं
होते। जो लोग कमाते हैं, वे अपनी आमदनी
को छेदवाली थैली में रखते हैं। 7 सेनाओं के
याहवे कहते हैं : अपने चरित्र पर नज़र डालो।
8 प्रभु ने कहा है कि पहाड़ पर जाकर लकड़ी
ले आओ और भवन को फिर से बनाओ,
जिससे मैं खुश हो जाऊँ और मेरी बड़ाई हो।
9 तुम ढेर सारी उपज की कामना तो करते
हो, लेकिन वह जरा ही सी होती है। जब
तुम उसे घर लाते हो, मैं उसे उड़ा देता हूँ।
ऐसा क्यों हो रहा है? सेनाओं के याहवे की
वाणी है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि
मेरा घर उजड़ा पड़ा हुआ है। और तुम में
से हर एक अपने घर दौड़ा चला जा रहा है।
10 इसलिए तुम्हारे कारण ही आकाश से ओस
टपकना और ज़मीन की पैदावार पर रोक
लग चुकी है। 11 और मैंने ज़मीन, पहाड़ों,
अनाज, नए दाखरस, ताज़े तेल, और ज़मीन
की पैदावार, इन्सानों, जानवरों और तुम्हारे
हाथ की पूरी मेहनत पर सूखे को ठहराया है।
12 तब शालतीएल के बेटे जरुब्बाबेल और
यहोसादाक के बेटे यहोशू महायाजक ने सारे
बचे हुए लोगों के साथ अपने परमेश्वर याहवे
का कहना माना। हाग्गै भविष्यद्वक्ता को जो
वचन उनके परमेश्वर याहवे ने उनसे कहने
के लिये भेजा था, उन्होंने मान लिया और
परमेश्वर का भय भी माना। 13 तब याहवे के
दूत हाग्गै ने उनसे आज्ञा पाई और उन लोगों
से यह कहा, "याहवे कहते हैं, मैं तुम्हारे साथ
हूँ।" 14 याहवे परमेश्वर ने शालतीएल के बेटे
जरुब्बाबेल को जो यहूदा का अधिकारी था,
तथा यहोसादाक के बेटे यहोशू मुख्य पुरोहित
को, और सब बचे हुए लोगों के मन को
उत्साह से भर ताकि वे आकर अपने परमेश्वर
याहवे, सेनाओं के परमेश्वर के लिए भवन
बनाने लगें। 15 ऐसा दारा राजा के दूसरे वर्ष
के छठवें महीने के चौबीसवें दिन हुआ।

2 फिर सातवें महीने के इक्कीसवें दिन
हाग्गै नबी के द्वारा परमेश्वर का यह
संदेश मिला : 2 शालतीएल के बेटे यहूदा के
राज्यपाल जरुब्बाबेल, और यहोसादाक के
बेटे यहोशू महापुरोहित और बचकर लौटे हुए
लोगों से ऐसा कहो, 3 जिन्होंने इस इमारत
की पहली शान देखी थी, उनमें से कौन-कौन
तुम्हारे बीच रह गया है? और अब तुम इसे
कैसे देख रहे हो? क्या तुम्हें यह पहले की
तुलना में बेकार सा नहीं लगता? 4 लेकिन
हे जरुब्बाबेल, अब प्रभु का यह कहना है,
'तुम हिम्मत रखो; और हे यहोसादाक के बेटे
यहोशू महापुरोहित हिम्मत रखो और देश के

हे सभी लोगों, डरो मत, यह प्रभु का वचन है। काम करो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ। 5 जब तुम मिस्त्र से निकले थे, मैंने तुमसे यह वाचा बान्धी थी। मेरा आत्मा तुम्हारे बीच में रहता है; मत डरो। 6 सेनाओं के याहवे कहते हैं, थोड़ी ही देर मैं आकाश और पृथ्वी और समुन्दर और सूखी पृथ्वी को फिर से हिलाऊँगा। 7 मैं सभी देशों को हिला दूँगा और उनकी दौलत यहाँ आ जाएगी और मैं इस भवन को अपनी मौजूदगी से भर दूँगा। यह सेनाओं के याहवे कहते हैं। 8 चाँदी और सोना दोनों ही मेरे हैं। 9 प्रभु का कहना है, इस भवन की भविष्य की शान पुराने समय की शान से अधिक होगी। मैं इस जगह में शान्ति दूँगा। 10 दारा राजा के समय में दूसरे साल के नौवें महीने के चौबीसवें दिन प्रभु का वचन मुझे मिला। 11 सेनाओं के प्रभु कहते हैं: महापुरोहितो से इस बारे में जानकारी हासिल करो। 12 "यदि कोई इन्सान अपने कपड़े के सिरे में गोश्त बान्धे और रोटी पकाए गए भोजन, दाखमधु, तेल या और किसी खाने की चीज़े को छुए, तो क्या वह वस्तु पवित्र हो जाएगी?" पुरोहित बोले, "नहीं।" 13 तब हाग्गै ने सवाल किया, "यदि कोई इन्सान लाश से अशुद्ध हो जाए, और इनमें से किसी वस्तु को छू ले तो क्या वह वस्तु अशुद्ध हो जाएगी?" तब पुरोहित बोले, "हां, अशुद्ध हो जाएगी।" 14 तब हाग्गै ने जवाब दिया, प्रभु का कहना है, "ये लोग ऐसे ही हैं और मेरी निगाह में ये देश ऐसा ही है। उनके हाथ का हर एक काम ऐसा है और उनको चढ़ाना भी।" 15 भविष्य में ध्यान देना, प्रभु के मन्दिर के पत्थर पर पत्थर रखे जाने के पहले। 16 उन समय से आज तक जब कोई अनाज के ढेर के पास बीस नाप की उम्मीद से जाता तो वहाँ केवल दस नाप ही निकलते थे। 17 मैंने तुम्हें और तुम्हारे हाथ के हर एक काम को लू, फफूंद और ओलावृष्टि से मारा है, फिर भी तुम मेरी ओर न आए, यह प्रभु कह रहे हैं। 18 आज इस बात पर ध्यान दो। आज प्रभु के भवन की नींव डाले जाने अर्थात नौवे महीने के चौबीसवे दिन से इस बात पर नज़र डालो। 19 क्या अभी तक बीज खत्ते में है? दाखलता, अंजीर, अनार और जैतून के पेड़ों में भी फल नहीं लगे? फिर भी आज के दिन से मैं तुमको आशीष देता रहूँगा। 20 फिर उसी महीने के चौबीसवें दिन प्रभु का संदेश हाग्गै भविष्यद्वक्ता को प्राप्त हुआ; के पास पहुँचा, 21 यहूदा के राज्यपाल जरुब्बाबेल से से ऐसा कहो, "मैं आकाश और पृथ्वी को हिलाऊँगा।" 22 मैं राज्यों के राजासनों को उलट-पुलट कर डालूँगा देशों के राज्यों की शक्ति को बर्बाद कर डालूँगा। मैं सवारों सहित रथों को उलट-पुलट कर दूँगा। घोड़े और उनके सवार, एक दूसरे की तलवार से मौत के घाट उतार दिए जाएँगे। 23 सेनाओं के याहवे का कहना है," हे शालतीएल के बेटे, मेरे दास जरुब्बाबेल, उस दिन मैं तुम्हें लेकर अंगूठी की तरह रखूँगा। याहवे की यह वाणी है, क्योंकि मैंने तुम्हें चुना है, सेनाओं के याहवे की यह वाणी है।"

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com